

मैथिली (प्रतिष्ठा)

मित्रीय पत्र

आरम्भिक एवं मध्यकालीन काव्य

अंक विभाजन:

- १. वस्तुनिष्ठ - १०x२ = २० अंक
 - २. पाठ्य ग्रंथ प्रश्न - २०x३ = ६० अंक
 - ३. व्याख्या - १०x२० = २०० अंक
- कुल = २८० अंक

निर्धारित ग्रंथ:

१. मैथिली प्राचीन जीवावली - डॉ. सुरेन्द्र सा 'सुमन' एवं डॉ. रामदेव सा, मैथिली अकादमी

पाठ्यपत्र -

कैसनप्रयाग, राजसिंह, अमृतकर, दशावधान, भीष्मा, सिंहपुराणि आ चतुर्भुज

२. कृष्णजन्म - मनबोध, मैथिली अकादमी, पटना

३. राग तरंगिणी - लोचन, " " "

पाठ्यपत्र -

विद्यापति १ से १० पद धरि, चन्द्रकला, लक्ष्मी नारायण, चतुर्भुज एवं लोचन।

४. गोविन्ददास अजनावली - डॉ. गोविन्द सा मैथिली अकादमी, पटना

पाठ्यपत्र -

१ से १० पद धरि।

संदर्भ - ग्रंथ:

परिचालिका - डॉ. श्रीमानाथ सा, छपकी, परती, दरभंगा।

P.T.O. (क. प्र. उ.)

22.10

22.10.15

Head of the Department of Marathi
Patna University, Patna-5

H.M. G. 7-15

अनिवार्य भाग (मातृभाषा): मैथिली: प्रथम पत्र

उत्तर मिथिलाक्षर (त्रिद्वय) अथवा देवनागरी में दाखल

समय - 3 घंटे

पूर्णांक - 50

अंक विभाजन:

1. वस्तुनिष्ठ प्रश्न - $5 \times 2 = 10$ अंक
2. निर्धारित ग्रंथों का लोच्यनात्मक प्रश्न - $10 \times 2 = 20$ अंक
3. निबंध - $10 \times 1 = 10$ अंक
4. व्याकरण (पाठ्यपुस्तिका - सैशा, सर्वनाम, क्रिया विशेषण व मोहापरा) $5 \times 1 = 5$ अंक
5. मिथिलाक्षर लेखन - $5 \times 1 = 5$ अंक

दिनांक 10

पृष्ठ सं. 15

निर्धारित ग्रंथ:

1. मैथिली का संक्षेप - डॉ. शिवशंकर शीनिवास नेशनल बुक ट्रस्ट, नई दिल्ली।

(पाठ्यपुस्तिका - कन्याक जीवन (हरिमोहन झा)

पद्मेदार (ब्रज किशोर वर्मा (मणिपदम), रमानी (ललि)

चन्द्रकिन्दु (माधवानन्द मिश्र), चन्द्रमुखी (लिली रे),

अरुणी (प्रभास कुमार चौधरी), शक्तिश्वर (रमानन्द झा)

फैसरी (सुभाष चन्द्र पादव) अथवा कुमान (गिरानन्द किशोरी)

2. कविता - सैशा - मैथिली अमादमी, पटना।

(पाठ्यपुस्तिका - विद्यापति, गोविन्ददास, मनबीर, चन्दा झा, कियुन, हरराज, जीवकान्त, रमानन्द झा) अथवा जेठिनारायण मिश्र)

संदर्भ ग्रंथ:

1. मिथिलाक्षर अभ्यास पुस्तक (अखिल भारतीय मैथिली साहित्य परिषद, दरभंगा।

2. मिथिलाक्षर उद्भव और विकास - राजेश्वर झा

3. निबंध - संचय - शान्तिनाथ सिंह ठाकुर

4. उत्तर मैथिली व्याकरण: डॉ. गोविन्द झा (साहित्यिकी, सरिसवा पारी)

क.ए.उ. (P.T.O.)

Barha Education Centre
H.M. Gaudel
2.15

अनुसूचक
आनुवंशिक : मैथिली : प्रथम पत्र

पूर्णांक : 100

समय : 3 घंटा

शुद्ध विभाजन :

- | | |
|-------------------------------------|----------------------|
| 1. कस्तुरिण प्रश्न | 17x2 = 20 अंक |
| 2. निर्यासि ग्रंथ साधुनात्मक प्रश्न | 15x3 = 45 अंक |
| 3. व्याख्या - | 12 1/2 x 2 = 25 अंक |
| 4. अलंकार - | 10 अंक |
| | <u>कुल - 100 अंक</u> |

निर्यासि ग्रंथ

- कविता संग्रह - मैथिली अकादमी, पटना।
 (पाठ्योपरा - 'अमर', 'विद्यु', राजनाथ झा, 'मधुप',
 'विन्ध्य', 'विनोद' आ केदारनाथ झा)
- स्वतंत्र स्वर - प्र. साहित्य अकादमी, दिल्ली
 (पाठ्योपरा - चन्दा झा (पहिल पद), मुंशी खुनहन दास,
 पदुनाथ झा 'यदुवर' (भारत युद्ध), सीताराम झा
 (स्वदेश महिला), भोलालाल दास (युवक),
 भुवनेश्वर सिंह 'भुवन' (मंगलगान), ईशानाथ झा
 (अनन्द), सुरेन्द्र झा 'सुमन' (भैरवि), 'अज्ञी'
 (भारत माता), आसी प्रसाद सिंह (जन्मभूमि जननी),
 राघवान्छार्थ शास्त्री (प्रतिज्ञा) आ अन्दनाथ मिश्र
 'अमर' (संकल्प)।

- आजी माँ (कथा) - डॉ. रामदेव झा
 मिथिला रिसर्च सोसाइटी, लहेरियासराय।
- व्यर चुरैत काव्य (कथा) - प्रो. मनमोहन झा
 मैथिली अकादमी, पटना।

संदर्भ-ग्रंथ :

- अलंकार मालिका - सुरेन्द्र झा 'सुमन'
- अलंकार दर्पण - जे. सीताराम झा
- अलंकार भास्कर - डॉ. रमण झा
-

10

11

15

H-Navalal
6.7.18

Head of the Department of Maithili
Patna, Bihar-800 014

पाठ्यपुस्तक - उल्लेख, विशेषज्ञता, समक, वृत्त,
 अनुप्रास, अर्थात्परिभाषा, निर्दोषता, रूपक,
 अप्रसंगिकता, उपमा आ विभावना।

मैथिली (त्रिपिका): खण्ड-II (Part-II)

सूत्रोप पत्र: गद्य साहित्य

पूर्णांक: 100

समय-3 घंटा

अंक - विभाजन:

- | | |
|--------------------------------------|---------------|
| 1. वस्तुनिष्ठ प्रश्न - | 10x2 = 20 अंक |
| 2. पाठ्य ग्रंथों आलोचनात्मक प्रश्न - | 10x2 = 20 अंक |
| 3. व्याख्या - | 10x1 = 10 अंक |
| 4. इतिहास (आदि आ मध्यकाल) - | 20x2 = 40 अंक |

निर्धारित ग्रंथ:

- जीवन-मात्रा - हरिमोहन झा, मैथिली अकादमी, पटना
- संकलन - मैथिली अकादमी, पटना।

पाठ्यपुस्तक - वर्णना, शिक्षा, माता औ मातृभूमि,
 राष्ट्रीय एकताक महत्व, आदान-प्रदान, समीक्षा,
 वृत्ति, कविचर-चन्द्रा सा आ कौटिलीक संदेश।

संदर्भ ग्रंथ:

- मैथिली साहित्यक इतिहास - डॉ. दुर्गानाथ सा 'प्रिया'
- मैथिली पत्रकाशिक इतिहास - डॉ. चन्द्रनाथ मिश्र 'उत्तर'
- A History of Maithili Literature, Vol. I & II, डॉ. नमचान मिश्र

चतुर्थ पत्र

जाटक एवं भाषाविज्ञान

समय-3 घंटा

पूर्णांक - 100

अंक विभाजन:

- | | |
|--------------------------------------|----------------------|
| 1. वस्तुनिष्ठ प्रश्न - | 10x2 = 20 अंक |
| 2. पाठ्य ग्रंथों आलोचनात्मक प्रश्न - | 10x2 = 20 अंक |
| 3. भाषाविज्ञान - | 20x2 = 40 अंक |
| 4. व्याख्या - | 20 अंक |
| | <u>कुल - 100 अंक</u> |

24/10

24/10/15

24/10/15

Head of the Department of Maithili
 Patna University, Patna-8

HTM/2015
 6.7.15

निर्धारित ग्रंथ:

1. कविवर जीवन का रचनावली (सुंदरसंयोग'मत्र) मैथिली अकादमी, पटना।
2. परिजाप्रदरा - मैथिली अकादमी, पटना।

संदर्भ-ग्रंथ:

1. मैथिली भाषिणी: मैथिली भाषाक प्रकृति ओ प्रकार्य मूल-डॉ. मुनीश्वर झा आ सम्पादन - डॉ. वीरेंद्र झा
2. मैथिली भाषा शास्त्र - डॉ. वीरेंद्रनाथ मिश्र
3. मैथिली भाषा विज्ञान - डॉ. नवीनचन्द्र मिश्र एवं
4. मैथिली भाषा: संरक्षण आ विकास - डॉ. बिलामान झा एवं (पाठ्यांश - भाषाक परिभाषा, भाषावैज्ञानिक सिद्धान्त, भाषा ओ जौली, मैथिली विभिन्न जौली, भाषाक परिवर्तन शीलता, मैथिलीक बांग्ला, ओडिशा, असमिया आ मैजपुरीक संग सम्बन्ध तथा ध्वनि नियम।)

अनिवार्य भाषा (मातृभाषा): मैथिली : द्वितीय प्रश्न

समय - 1.30 घंटा

पूर्णांक : 50

छोटा विभाजन:

1. वस्तुनिष्ठ प्रश्न - $5 \times 2 = 10$ अंक
 2. निर्धारित ग्रंथसँ आद्योपनात्मक प्रश्न - $10 \times 2 = 20$ अंक
 3. निबन्ध - $10 \times 1 = 10$ अंक
 4. व्याक र्था - $5 \times 1 = 5$ अंक
 5. मिथिलासँ लेखन - $5 \times 1 = 5$ अंक
- कुल = 50 अंक

निर्धारित ग्रंथ:

1. संकलन - मैथिली अकादमी, पटना
(पाठ्यांश - विद्या, राष्ट्रीय स्तराक महन्ध, सम्पत्ता ओ संस्कृति, देशक वास्तव, विद्या, मात्रा ओ मातृभूमि, साहित्य कचरा कही) आ प्रेम - विवेचन।

क.प्र.उ. (P.T.O.)

25.10

11.10.15

Head of the Department
Patna University, Patna-5

H. V. K. S. S. S.
6.7.15

2
 2. शक्ति - राजकमलक - मैथिली अकादमी, परना ।
 (पाठ्यपुस्तक - अपराजिता, दमयन्तीसुता, मरु, व्यंज, सौंदर्य का फूलपरासकाली) ।

3. व्याकरणक पाठ्यपुस्तक - शब्दक भेद (व्युत्पत्तिक विचारसँ) सन्धि, समास, संज्ञा एवं सर्वनाम, मोहावरा आ लौकिकी ।

सहायक ग्रंथ (व्याकरण एवं मिथिलासरक लेल)

1. मैथिली व्याकरण आ रचना - युगेश्वर झा

2. उत्तर मैथिली व्याकरण - पं. गौविन्द झा

3. मिथिलसर अभ्यास पुस्तक - डॉ. भा. मै. साहस परिसर, दरभंगा ।

(अनुपूरक) आनुभौतिक : मैथिली : मिथीम पत्र

पूर्णांक : 100

समय - 3 घण्टा

आक विभाजन :

1. वस्तुनिष्ठ प्रश्न -

10x2 = 20 अंक

2. निर्धारित प्रश्नसँ आलोचनात्मक प्रश्न - 15x3 = 45 अंक

3. व्याख्या -

12½ x 2 = 25 अंक

4. अलंकार -

10 अंक

निर्धारित ग्रंथ :

कुल - 100 अंक

1. खेता आ चिड़ (उपमास) - माथानन्द मिश्र
 मैथिली अकादमी, परना ।

2. उत्तर (उपमास) - आशा मिश्र, दरभंगा ।

3. मिथिला नाटक - रघुनन्दन दास, मैथिली अकादमी, परना

4. स्वदेश भारती (कविता) - चन्द्रमालु सिंह
 प्र. - रत्न. आर. जी. / 53, हाउसिंग कॉलोनी, दरभंगा
 (पाठ्यपुस्तक - पद संख्या 2 सँ 4 एवं 18 सँ 23 धरि)

5. अलंकार :

(पाठ्यपुस्तक - व्यंग्यिक, अतिशयोक्ति, इष्टान्त, आन्विमान, रूपक, संदेह, काव्यलिङ्ग, उपमा, श्लेष, समक, अनुप्रास आ अनन्वय) ।

20/10

20/10

Head of the Department of Hindi
 Patna University, Patna.

20/10

सहायक ग्रंथ:

1. अलंकार दर्पण - पं. सौत्राराम शा
2. अलंकार मालिका - सुरेन्द्र शा 'सुमन'
3. अलंकार भास्कर - डॉ. रमण का ।

मैथिली (प्रतिष्ठा), खण्ड-III (विषय-III)

पंचम पत्र: मैथिली साहित्यक इतिहास (आधुनिक काल)

पूर्णांक - 100

समय - 3 घंटा

छंद विभाजन:

1. वस्तुनिष्ठ प्रश्न - 20 अंक
 2. आलोचनात्मक प्रश्न - $20 \times 4 = 80$ अंक
- कुल - 100 अंक

संदर्भ-ग्रंथ:

1. A History of Magahi Literature Dr. Jaykant Mishra
2. मैथिली साहित्यक इतिहास - डॉ. दुर्गाप्रसाद शा 'श्रीश'
3. मैथिली साहित्यक इतिहास - डॉ. जयकान्त मिश्र, सा. आका.
4. मैथिली पत्रकारिताक इतिहास - पं. चन्द्रनाथ मिश्र 'आकाश'
5. मैथिली साहित्यक आलोचनात्मक इतिहास - डॉ. किशोरी कुं शा

सहायक पत्र: आधुनिक मैथिली काव्य

समय - 3 घंटा

पूर्णांक - 100

छंद विभाजन:

1. वस्तुनिष्ठ प्रश्न - $10 \times 2 = 20$ अंक
 2. निवर्तारि प्रश्न आलोचनात्मक प्रश्न - $20 \times 3 = 60$ अंक
 3. व्याख्या - $10 \times 2 = 20$ अंक
- कुल - 100 अंक

निवर्तारि ग्रंथ:

1. चन्द्र रचनावली - सं. विश्वेश्वर मिश्र, मैथिली कलापी
(पाठ्यपुस्तक - पद्य - सूर्य (1-3), गणेश (1-2), उमा-कहेरवर (1-3), गंगासुति (1-2), सिद्धिदा महिमा (1-2), यौग)

1. पत्रहीन जगन गाछ - 'मात्री'
2. उमित्री - अपेन्द्र बाबुर 'मोहन'
4. सुंदरकांड - सौम्य प्रकाशन, पटना।

क.प.स. (प.प.स.)

Handwritten signatures and initials on the left margin, including 'क.प.स. 10', 'क.प.स. 10', 'क.प.स. 10', and 'H.N. Gaudel'.

सप्तम प्रश्न: काव्यशास्त्र एवं भाषा विज्ञान

समय - 3 घंटा

पूर्णांक - 100

इ पत्र दू खंडों में विभक्त है। प्रत्येक खंड से दूरा
आलोचनात्मक प्रश्नक उत्तर देना आवश्यक।
दूर खण्ड 50-50 अंकक रहत।
खण्ड - क (काव्यशास्त्र)

50 अंक

अंक - विभाजन:

1. वस्तुनिष्ठ प्रश्न -
2. आलोचनात्मक प्रश्न -

5x2 = 10 अंक
20x2 = 40 अंक

(पाठ्यपुस्तक) - काव्यक लक्षण, काव्यक प्रयोजन,
काव्यक हेतु, काव्यक भेद, शब्दशक्ति, रस आद्यन्त।
खण्ड (ख) - भाषा विज्ञान

50 अंक

अंक विभाजन:

1. वस्तुनिष्ठ प्रश्न
2. आलोचनात्मक प्रश्न

5x2 = 10 अंक
20x2 = 40 अंक

(पाठ्यपुस्तक) - भाषा विज्ञानक उपादेयता, आरंभिक भाषा
परिवर्तने मैथिली स्थान, भाषाक आधुनिक
वर्गीकरण, शब्दक ऐतिहासिक विकास-क्रम,
बोलीसँ भाषा जनजातकारण आ भाषा-
विज्ञानक अन्य शास्त्रसँ सम्बन्ध।
संदर्भ - ग्रन्थ:

1. मैथिली काव्यशास्त्र - डॉ. दिनेश कुमार झा, मैथिली अकादमी,
पटना।
2. काव्यशास्त्रक रूपरेखा - डॉ. वीरेन्द्र झा 'वीरेन्द्र'
3. मैथिलीक उदगम-विकास - पं. गोविन्द झा
मैथिली अकादमी, पटना।
4. मैथिली भाषिकी: मैथिली भाषाक प्रकृति आ प्रचलन
ग्रन्थ - डॉ. मुनीश्वर झा आ सम्पादन - डॉ. वीरेन्द्र झा
5. मैथिली भाषा शास्त्र - डॉ. वीरेन्द्र नाथ मिश्र
6. रस परिचय - डॉ. मिशोरनाथ झा
7. मैथिली भाषा: सर्वेक्षण आ विश्लेषण - डॉ. अशोक कुमार झा

Head of the Department of Maithili
Patna University, Patna

H/M...
6-7-15

कुलम्प पत्र : ¹⁰ आध्यात्म भाषा एवं साहित्यिक निबन्ध

समय - 3 घंटा

पूर्णांक - 100

अंक विभाजन :

1. वस्तुनिष्ठ प्रश्न - $10 \times 2 = 20$ अंक
 2. आलोचनात्मक प्रश्न - $15 \times 2 = 30$ अंक
 3. पाठ्यांशक मैथिली अनुवाद - $10 \times 2 = 20$ अंक
 4. व्याख्या - $10 \times 1 = 10$ अंक
 5. निबन्ध - $20 \times 1 = 20$ अंक
- कुल - 100 अंक

पाठ्य ग्रंथ :

1. रघु वैशा - काविकास - मित्रीय सर्ग
2. पुरुष परीक्षा - विद्यापति - प्रथम परिच्छेद

संदर्भ ग्रंथ :

आधुनिक मैथिली साहित्य : एक विवेचन डॉ. उमा चौधरी
एम. एच. एच. एम. कॉलेज, दरभंगा /

10/10

15/10

Head of the Department of Marathi
Pune University, Pune-411

HM
G-7-15

मैथिली

त्रिवर्षीय स्नातक मैथिली प्रविष्टा

पाठ्यक्रम

सत्र: 2015-18 सँ प्रभावी

SEMESTER SYSTEM

सत्रार्ह पद्धति

- स्नातक पाठ्यक्रममे दू अकादमिक सत्र होएत। प्रत्येक सत्र दू सत्रार्ह (Semester)मे विभाजित होएत - ① जुलाई-दिसम्बर एवं ② जनवरी-जून।
- एहिमे कुल छह सत्रार्ह (Semester) होएत। एहिमे 70 अंकक अर्ह सत्रान्त लिखित विश्व-विद्यालय परीक्षा (अवधि-3 घंटा) आ 30 अंक सत्र आन्तरिक मूल्यांकन (Continuous Interval Assessment) होएत। ई प्रत्येक सत्रार्हमे होएत।

1. सत्र आन्तरिक मूल्यांकनक अंक विभाजन (Continuous Interval Assessment):

- (i) एक घंटाक परीक्षाधिक दू मध्य-सत्रार्ह लिखित परीक्षा - $7\frac{1}{2} \times 2 = 15$ अंक
- (ii) सैमीक/म्वीज (प्रश्नोत्तरी) / हर्म पेपर (नियन्त्रावधि आलेख) = 05 अंक
- (iii) गृह-कार्यभार (Home Assignment) = 05 अंक
- (iv) उपस्थिति-निरन्तरता एवं आचरण (Regularity and Behavior) = 05 अंक

कुल = 70 अंक

2. अर्ह सत्रान्त लिखित विश्वविद्यालय परीक्षा (अवधि-3 घंटा)
(End of Semester Exam. (E.S.E) written examination of 3 hours duration)

- (i) एगारह वस्तुनिष्ठ प्रश्न - $11 \times 1 = 11$ अंक
- (ii) पाँच लघुप्रश्नी प्रश्न (चारिक उत्तर अपेक्षित) $5 \times 2 = 10$ अंक

Dr. R. (R.K.)
20.11.10.15
(Semester Exam)

Dr. A. (A.K.)
(Semester Exam)

Head of the Department of Maithili
Patna University, Patna-5

H. M. Mandal

(iii) पाँच दीर्घ उत्तरों में प्रश्नों में त्रैणिक उत्तर
 (अपेक्षित) 13x3 = 39 अंक

कुल = 70 अंक

25.10.15

25.10.15

विषय सत्राह (Odd Semesters-2 एवं 3) की परीक्षा नवम्बर/दिसम्बर में होकर है। सम सत्राह (Even Semesters-2 एवं 4) की परीक्षा मई में होकर है। जो केंद्रों द्वारा अनुत्तीर्ण रहता, उस इकाई को ही सत्राह के सम वा विषय सत्राह के उत्तरवर्ती परीक्षा में वैशवाक अनुमति देल जाएगी। विषय सत्राह के 'पावस सत्राह' एवं सम सत्राह के 'शीत सत्राह' कहे जाते हैं।

सत्र आन्तरिक मूल्यांकन (Continuous Interval Assessment) के उत्तीर्ण 30 के 40% 12 अंक होकर है। सत्र आन्तरिक मूल्यांकन में अनुत्तीर्ण छात्र के उत्तरवर्ती सत्राह में अंक सुधारवाक लिखित एवं कार्यभार प्रस्तुत करवाक के अक्षर देल जाएंगे।

अर्द्ध सत्राह (End of Semester Exam) लिखित विश्वविद्यालय परीक्षा में उत्तीर्णक 70 के 40% 28 अंक होकर है।

25.10.15

25.10.15

रु. प्र. ड. (P.T.O.) →

मैथिली (प्रतिष्ठा) : प्रथम खण्ड : प्रथम पत्र

(1) सतत आन्तरिक मूल्यांकन
(Continuous Internal Assessment) : 30 अंक

(2) अर्धसत्रान्त लिखित विश्वविद्यालय परीक्षा
(अवधि - 3 घंटा)

(i) खगारह वस्तुनिष्ठ प्रश्न - $11 \times 1 = 11$ अंक

(ii) पाँच लघुतरी प्रश्न (व्यापक
उत्तर अपेक्षित) - $05 \times 4 = 20$ अंक

(iii) पाँच दीर्घ उत्तरीयमें तीन
प्रश्नोंपर अपेक्षित - $13 \times 3 = 39$ अंक

कुल - 70 अंक

निर्धारित ग्रंथ -

1. प्राचीन जीतनावली - स. सुरेन्द्र झा (सुमन) डॉ. रामदेव झा
मैथिली अकादमी, पटना।

पाठ्यपुस्तक - कैस नारायण, राज सिंह आ कामरकर।

2. कृष्णम - मनबोच - मैथिली अकादमी, पटना।
पाठ्यपुस्तक - पोद्दार पूर्वाह अंधा।

3. राम त्रिगिणी - लोचन - मैथिली अकादमी।
पाठ्यपुस्तक - विद्यापति - 1 सं 10 पद आ चन्द्रकला।

4. गोविन्ददास अजनावली - स. गोविन्द झा
मैथिली अकादमी, पटना।

पाठ्यपुस्तक - 01 सं 05 पद धरि।

संदर्भ ग्रंथ -

परिचामिका - डॉ. भीमनाथ झा, छपरी, पट्टी,
दरभंगा।

रु. प्र. उ. (P. T. O.)

24.10.15

20.10.15

H. P. K. S. B.

Palda University, Palda-8
of the Government of Malindi

मैथिली (प्रतिष्ठा), प्रथम खण्ड : द्वितीय पत्र
~~आरम्भिक एवं मध्य का खण्ड काय~~

(1) सत्रत आन्तरिक मूल्यांकन
(Continuous Internal Assessment) : 30 अंक

(2) अर्द्ध सत्रांत लिखित विश्वविद्यालय परीक्षा
(अवधि - 3 घंटा)

(i) खण्ड वस्तुनिष्ठ प्रश्न - $11 \times 1 = 11$ अंक

(ii) पाँच लघुतरी प्रश्न-धारिक
उत्तर (अपेक्षित) - $05 \times 4 = 20$ अंक

(iii) पाँच दीर्घ उत्तरीयमे तीन
प्रश्नोंपर अपेक्षित - $13 \times 3 = 39$ अंक

निर्धारित अंक - कुल - 70 अंक

1. मैथिली प्राचीन गीतावली - सं. सुरेन्द्र सा. सुमन।
एवं रामदेव झा, मैथिली अकादमी

पाठ्यपुस्तक - दशावधान, बी.एम.
सिंहपुरी आ. चतुर्भुज आ.

2. कृपाजन्म - मन लीच - मैथिली अकादमी, पटना
पाठ्यपुस्तक - पोथीक उत्तरार्द्ध आ

3. राजा त्रिभिषी - लोचन - मैथिली अकादमी।
पाठ्यपुस्तक - लक्ष्मीनारायण, चतुर्भुज आ

लोचन।
4. गोविन्ददास भजनावली - सं. पं. गोविन्ददास
मैथिली अकादमी, पटना।

पाठ्यपुस्तक - 06 सं 10 पद धारि।

*
ए. ए. उ. (P.T.O.)

24/10/15

अ. ए. उ.

H. M. Mandal

Head of the Department of Maithili
Patna-5

अनिवार्य भाषा (मातृभाषा): मैथिली: प्रथम खण्ड: प्रथम पत्र

(1) सत्रत आन्तरिक मूल्यांकन
(Continuous Interval Assessment): 7 1/2 अंक

(2) अर्धसत्रांत लिखित विश्वविद्यालय परीक्षा
(अवधि -) 12 1/2 अंक

(i) वस्तुनिष्ठ प्रश्न - x = 3 अंक
(ii) लघुत्तरी प्रश्न

(iii) दीर्घ उत्तरीय प्रश्न -

निर्धारित ग्रन्थ:

1. मैथिली कथा संचयन - डॉ. शिवशंकर श्रीनिवास
नेशनल बुक ट्रस्ट, नई दिल्ली

पाठ्यपुस्तक - कन्याक जीवन, पट्टीदार, रामजानी,
चन्द्रविन्दु।

2. कविता संग्रह (मैथिली आकादमी, पटना)
पाठ्यपुस्तक - विद्यापति, गोविन्ददास, मनमोहन,
चन्द्रा शा।

24.10

24.10.15

H/Waradad

क. प्र. उ. (P.T.O.) →

Patna University, Patna-8

अनिवार्य भाषा (मातृभाषा): मैथिली

द्वितीय खण्ड : द्वितीय पत्र

- (1) सतत आन्तरिक मूल्यांकन
(Continuous Internal Assessment) : 7½ अंक
- (2) अर्धसत्रांत लिखित विश्वविद्यालय परीक्षा
(अर्ध -) - 17½ अंक
- (i) वस्तुनिष्ठ प्रश्न - x = अंक
- (ii) लघुतरी प्रश्न
- (iii) दीर्घ उत्तरीय प्रश्न -

कुल - 25 अंक

निर्धारित ग्रन्थ:

1. मैथिली कथा संचयन - श्री शिवशंकर प्रेमिनीस
पाठ्यपुस्तक - चन्द्रमुखी, अरगनी, अग्निव्यूह,
फँसरी आ उड़ान ।
2. कविता संग्रह - मैथिली अकादमी, पटना
पाठ्यपुस्तक - 'किसुन', 'हंसराज', जीवकान्त,
रमानन्द रेणु आ कीर्तिनाथ मिश्र ।

P.T.O. (क. ए. उ.) →

24.10

24.10.15

H. Wadwad

Signature

अनुप्रास/आनुसंगिक : मैथिली : प्रथम खण्ड : प्रथम पत्र

- ① सतत आन्तरिक मूल्यांकन (Continuous Internal Assessment) : 15 अंक
- ② आर्द्ध सत्रांत लिखित विश्वविद्यालय परीक्षा (अर्धवारिक - 1 1/2 घंटा) - 35 अंक
- (i) वस्तुनिष्ठ प्रश्न - x = अंक
- (ii) लघु उत्तरीय प्रश्न - अंक
- (iii) दीर्घ उत्तरीय प्रश्न - अंक

24.10

24.10.15

निर्धारित ग्रंथ

1. कविता संग्रह - मैथिली अकादमी, पटना।
पाठ्यपुस्तक - 'अमर', 'विद्यु' आ 'सुदुनाथ' आ
2. स्वार्थीय स्वर - प्र. - साहित्य अकादमी, दिल्ली।
पाठ्यपुस्तक - चन्दा आ (पहिल पद),
मुंशी रघुनन्दन दास, सुदुनाथ आ 'सुदुनाथ',
(भारत सुसमा), सीताराम आ (स्वदेवता महिला),
मौलालाल दास (युवक), भुवनेश्वर सिंह
'भुवन' (मैथिलशासन)
3. आजी माँ (कथा) - डॉ. रामदेव आ
पाठ्यपुस्तक प्रौढीक पूर्वार्द्धिक कथा
मिथिला रिकार्ड सोसाइटी, बनारस
4. प्यर पुरै काल (कथा) - जीत मनमोहन आ
पाठ्यपुस्तक - पौष्ठीक पूर्वार्द्धिक कथा।
मैथिली अकादमी, पटना

HP/assess/24

Pratt University, Patna
24.10.15

अनुप्रास/आनुप्रासिक: मैथिली: प्रथम खण्ड: लिखित

(i) सतत आन्तरिक मूल्यांकन
(Continuous Internal Assessment): 15 अंक

(ii) अर्ध सत्रांत लिखित विश्वविद्यालय
परीक्षा (आन्तरिक - 1/2 वें) - 35 अंक

(iii) वस्तुनिष्ठ प्रश्न - x = अंक

(iii) लघु उत्तरी प्रश्न

(iii) दीर्घ उत्तरीय प्रश्न -

कुल - अंक

निर्धारित ग्रंथ -

1. कविता संग्रह - मैथिली अकादमी, पटना
पाठ्यपुस्तक - 'मधुप', 'बन्धु', 'विनोद' आ
केदारनाथ 'लाभ'

2. स्वातंत्र्य स्वर - प्र. साहित्य अकादमी,
नई दिल्ली -
पाठ्यपुस्तक - ईशानाथ झा (अनार्डन्ड), 'सुमन'
(भैरवि), 'मात्री' (भारत माता),
आरती प्रसाद सिंह (जन्मभूमि जवनी),
राज्यवान् चार्य शास्त्री (प्रतिज्ञा), 'आमर'
(संकल्प)।

3. आजी माँ (कथा) - डॉ. रामदेव झा
मिथिला रिसर्च सोसाइटी, लहेरियासराय
पाठ्यपुस्तक - पौष्ठीक उन्नदाईक कथा।

4. प्यर प्युरैत काल (कथा) - प्रौ. मनमोहन झा
मैथिली अकादमी, पटना।
पाठ्यपुस्तक - पौष्ठीक उन्नदाईक कथा।

24.10

प्रश्न (1)

प्रश्न (2)

Head of the Department, Palana-3

शैक्षिकी (प्रतिष्ठा): ³ द्वितीय खण्ड : प्रथम पत्र
 कथा-संग्रह उपन्यास

(1) सतत आन्तरिक मूल्यांकन
 (Continuous Internal Assessment) : 30 अंक

(2) अर्ध-सत्रांत लिखित विश्वविद्यालय परीक्षा
 (अवधि - 3 घंटा)

(i) सगारह वस्तुनिष्ठ प्रश्न -

11x1 = 11 अंक

(ii) पाँच लघु-उत्तरी प्रश्न व्यापारिक
 उत्तर अपेक्षित

05x4 = 20 अंक

(iii) पाँच दीर्घ उत्तरीय प्रश्न
 प्रश्नोत्तर अपेक्षित -

13x3 = 39 अंक

कुल - 70 अंक

निर्धारित ग्रंथ -

1. पृथ्वीपुत्र (उपन्यास) - ललित - मैथिली अकादमी, पटना

2. अतीत (कथा संग्रह) - प्रो. उमानाथ झा
 मैथिली अकादमी, पटना।

पाठ्यपुस्तक - जयन्ती, सहस्र आ दाम्पत्य।

3. मैथिली कथा धारा (कथा संग्रह)
 सम्पादक - कामाख्या देवी, सहस्र अकादमी,
 नई दिल्ली

पाठ्यपुस्तक : देह, लालकांड, दुःख कोलक

अंक, टैप, एक खीरा: तीन फ़ॉन्ट।

र. उ. क. (P.T.O)



24.10

शैक्षिकी

AMWavel

10
 मैथिली प्रश्निका: द्वितीय खण्ड द्वितीय पत्र
~~कथा एवं उपन्यास~~

(1) सत्र आन्तरिक मूल्यांकन
 (Continuous Internal Assessment) : 30 अंक

(2) अर्धसत्रांत लिखित विश्वविद्यालय परीक्षा
 (आवधि - 3 घंटा)

(i) रणारण वस्तुनिष्ठ प्रश्न - $11 \times 1 = 11$ अंक

(ii) पाँच उत्तरी प्रश्न व्यापारिक
 उत्तर (अपेक्षित) $05 \times 4 = 20$ अंक

(iii) पाँच दीर्घ उत्तरीयमें तीन
 प्रश्नोंपर अपेक्षित - $13 \times 3 = 39$ अंक

निर्धारित अंक - कुल - 70 अंक

अप-10
 प्रश्निका

1. हमरा लग रस? (उपन्यास) - प्रवास कुमार चौधरी
 मैथिली अकादमी, परना

2. अरीर (कथा संग्रह) - श्री. कुमलानंद झा
 मैथिली अकादमी, परना

पाठ्यपुस्तक - गाम घरक गप्प, अरीर, प्रायश्चित्त
 आ जीवन-संघर्ष।

3. मैथिली कथा द्वारा (कथा) - सौ. कामाख्या देवी,
 साहित्य अकादमी, दिल्ली

पाठ्यपुस्तक - एक पीढ़ीक अन्तर, कंसरीक
 दु कोर, कंचनियाँ आ मोड़।

H. Mandal

प्रश्निका

र. प्र. उ. (P.T.O.)

→

अनिवार्य भाग (मातृभाषा): मैथिली: द्वितीय खण्ड: प्रथम पत्र

(1) सतत आन्तरिक मूल्यांकन
(Continuous Internal Assessment) : 7½ अंक

(2) अर्ध-सत्रांत लिखित विश्वविद्यालय परीक्षा
(अर्ध-सत्र) : 17½ अंक

(i) वस्तुनिष्ठ प्रश्न - x = 1 अंक

(ii) लघु उत्तरी प्रश्न

(iii) दीर्घ उत्तरीय प्रश्न

कुल - 25 अंक

24.10

अ.प्र. 15

निर्धारित ग्रंथ -

1. संकलन - मैथिली अकादमी पत्रिका।
पाठ्यपुस्तक - शिक्षा, राष्ट्रीय एकताक महत्व,
सम्मति ओ संस्कृति, देशक दासता।
2. कृति राजकमलक - मैथिली अकादमी, पत्रिका
पाठ्यपुस्तक - अपराजिता, दमयन्ती हरण
आ माछ।
3. व्याकरणक पाठ्यपुस्तक - राष्ट्रक भेद
(व्युत्पन्निक विचारसँ), सन्धि आ समास।
सहायक ग्रंथ -

1. मैथिली व्याकरण ओ रचना - सुमेरकरशा
2. उच्चतर मैथिली व्याकरण - पं० गोविन्दशा

क.प्र.उ. (P.T.O.)

आनिवार्य भाग (मातृभाषा): मैथिली: द्वितीय खण्ड द्वितीय पत्र [प्रश्न सं. 12]

(1) सत्र आन्तरिक मूल्यांकन
(Continuous Interval Assessment) : 7½ अंक

(2) अर्द्ध सत्रांत लिखित विश्वविद्यालय परीक्षा
(अर्धवारिक - -) - 17½ अंक

(i) वस्तुनिष्ठ प्रश्न - x = अंक
(ii) लघुत्तरी प्रश्न -

(iii) दीर्घ उत्तरीय प्रश्न -

कुल - अंक

24.10

24.10.15

निर्धारित ग्रंथ - 1. शकलन - मैथिली अकादमी, पूर्णा
पाठ्यपुस्तक - विद्या, माता - श्री मातृभूमि, साहित्य
करा करी ? आ प्रेम - विवेचन ।

2. कृति राजकमलक - मैथिली अकादमी, पूर्णा
पाठ्यपुस्तक - घड़ी, साँसक जाघ आ
फूलपारासवाली ।

3. व्याकरण पाठ्यपुस्तक -
सैशा, सर्वनाम, मौहावरा एवं लोकोक्ति
सहायक ग्रंथ -

1. मैथिली व्याकरण और रचना - युगेश्वर झा

2. उच्चार मैथिली व्याकरण - पं. गौविन्द झा

रु.प्र.उ. (P.T.O.)

Head of the Department of Maithili
Palma University, Palma-3

AMVareed

अनुसूचक/आनुसूचिक: मैथिली: ¹³ द्वितीय खण्ड: प्रथम पत्र

(1) सत्र आन्तरिक मूल्यांकन
(Continuous Internal Assessment) : 15 अंक

(2) अर्द्ध सत्रांत लिखित विश्वविद्यालय परीक्षा
(अवधि - 1 1/2 घंटा) - 35 अंक

x = 50 अंक

(i) - वस्तुनिष्ठ प्रश्न

(ii) - लघु उत्तरी प्रश्न

(iii) - दीर्घ उत्तरीय प्रश्न

निर्धारित ग्रंथ:

1. श्रीगंगा जी चिड़ (उपन्यास) - माथानन्द मिश्र
मैथिली अकादमी, पटना
2. स्वदेश भारती (संस्मरण) - चन्द्रमानु सिंह
प्र. - पंच. आक्ष. जी. 53, इन्दिरा कैंपस
दरभंगा।

पाठ्यपुस्तक - पद संख्या - 2 से 4 धरि ।

3. अलंकार -

पाठ्यपुस्तक - व्यंग्य, अत्रिवाचीकृति, इष्टान्त,
आश्रय आदि ।

आन्विमान
सहायक ग्रंथ

1. अलंकार - दर्पण : श्री सीताराम झा
2. अलंकार मलिका - सुरेन्द्र झा 'सुमन'
3. अलंकार भास्कर - डॉ. श्याम झा

कृ. प्र. उ. (P.T.O.) →

H. M. Mandal

अनुपूरक (आनुसंगिक) मैथिली : द्वितीय खण्ड : क्रियात्मक

- (1) सत्र आन्तरिक मूल्यांकन
(Continuous Internal Assessment) : 15 अंक
- (2) अर्द्ध सत्रांत लिखित विश्वविद्यालय परीक्षा
(अवधि-मूल्यांकन) - 35 अंक
- वस्तुनिष्ठ प्रश्न - x = अंक

(i) -

(ii) - लघु उत्तरी प्रश्न

(iii) - दीर्घ उत्तरीय प्रश्न

निर्धारित ग्रंथ :-

1. मिथिला नारक - रघुनन्दन दास, मैथिली अकासी प्रकाश

2. उच्चार (इपन्यास) - आशा मिश्र, दरभंगा।

3. स्वदेश भाषी (कविता) - चन्द्रमानु सिंह
प्र. एच. आर. जी. 153, हठविंग कालनी,
दरभंगा।

पाठ्यपत्र - पद संख्या 18 सें 33 धरि।

4. अलंकार -
काव्यलिंग, उपमा, श्लेष, यमक आ अलंकार।

सहायक ग्रंथ -

1. अलंकार - दर्पण : पं. सीताराम झा

2. अलंकार मालिका - सुरेन्द्र झा 'सुमन'

3. अलंकार वास्कर - डॉ. वसन्त झा।

ए. ए. उ. (प. ए. ए.)

15
 मैथिली (प्रतिष्ठा): तृतीय खण्ड: प्रथम पत्र
 गद्य साहित्य

(1) सतत आन्तरिक मूल्यांकन
 (Continuous Internal Assessment) : 30 अंक

(2) अर्ध-सत्रांत लिखित विश्वविद्यालय परीक्षा
 (अवधि - 3 घंटा)

(i) खगारह वस्तुनिष्ठ प्रश्न - $11 \times 1 = 11$ अंक

(ii) पाँच उच्चतरी प्रश्न (चारिक
 उत्तर अपेक्षित) - $05 \times 4 = 20$ अंक

(iii) पाँच दीर्घ उत्तरीयमें तीन
 प्रश्नोंपर अपेक्षित - $13 \times 3 = 39$ अंक

कुल - 70 अंक

क्र. 10

20/10/17

निर्धारित ग्रंथ-

1. जीवन सप्ता - हरिमोहन झा
 पाठ्यपुस्तक - पूर्वार्ध अंश

2. संकलन - मैथिली अकादमी, पटना
 पाठ्यपुस्तक - वर्णना, शिक्षा, मात्रा ओ मात्रुमि
 राष्ट्रीय एकताक महत्व।

संदर्भ ग्रंथ

1. मैथिली साहित्यक इतिहास - डॉ. कुमनाथ झा 'श्रीश'

2. A History of Maithili Literature, Vol. I & II
 - डॉ. जयकान्त मिश्र

3. मैथिली पत्रकारिताक इतिहास - चन्द्रनाथ मिश्र (असल)

H.M. Mandal

Head of the Department of Maithili
 Patna University, Patna-20



P. T. O. (H. P. 3) →

16

मैथिली (प्रतिष्ठा): तृतीय खण्ड: द्वितीय पत्र
गद्य साहित्य

- (1) सतत आन्तरिक मूल्यांकन
(Continuous Internal Assessment) : 30 अंक
- (2) अर्ध-सत्रांत लिखित विश्वविद्यालय परीक्षा
(अवधि - 3 घंटा)
- (i) एगारह वस्तुनिष्ठ प्रश्न - $11 \times 1 = 11$ अंक
- (ii) पाँच लघुतरी प्रश्न व्यापारिक
उत्तर अपेक्षित - $05 \times 4 = 20$ अंक
- (iii) पाँच दीर्घ उत्तरीयमें तीन
प्रश्नोंपर अपेक्षित - $13 \times 3 = 39$ अंक
- कुल - 70 अंक

निर्धारित ग्रंथ -

- जीवन मात्रा - हरिमोहन झा
पाठ्यपंथा - पौष्पिक उत्तरार्द्ध अध्याय ।
- सफलता - मैथिली अकादमी, पटना ।
पाठ्यपंथा - आदान-प्रदान, समीक्षावृत्ति,
कविवर चन्दा झा एवं दीर्घलोक सँदेश ।
संदर्भ ग्रंथ -

- मैथिली साहित्यिक इतिहास - 'श्रीश'
- A History of Maithili Literature
Vol. I & II, डॉ. जयकान्त मिश्र
- मैथिली पत्रकारिताक इतिहास -
चन्द्रनाथ मिश्र (अमर)

P.T.O. (क. प्र. उ.) →

24.10

24.10.17

Head of the Department of Maithili
Patna University, Patna-8

Handwritten signature

17
मैथिली (प्रतिष्ठा) : तृतीय सत्र : तृतीय पत्र
गणक एवं भाषा विज्ञान

(1) सत्रत आन्तरिक मूल्यांकन
 (Continuous Internal Assessment) : 30 अंक

(2) अर्द्धसत्रांत लिखित विश्वविद्यालय परीक्षा
 (अर्धवारिक - 3 घंटा)

(i) रणारट कस्तुनिक प्रश्न - $11 \times 1 = 11$ अंक

(ii) पॉन्च लघूत्तरी प्रश्न लघारिक
 उत्तर अपेक्षित - $05 \times 4 = 20$ अंक

(iii) पॉन्च दीर्घ उत्तरीयमे तीन
 प्रश्नोत्तर अपेक्षित - $13 \times 3 = 39$ अंक

कुल - 70 अंक

निर्धारित ग्रंथ -

1. कविवर जीवन सा रचनावली (सुंदरसंयोग)
 मैथिली अकादमी, परना

2. भाषा विज्ञान

पाठ्यपुस्तक - भाषाक परिभाषा, भाषात्मिक
 सिद्धान्त, भाषा ओ बोली, मैथिलीक
 विभिन्न बोली।

संकाय - ग्रंथ

1. मैथिली भाषिकी: मैथिली भाषाक प्रकृति ओ
 प्रकाय: सुठ - डॉ. मुनीश्वर शा एवं सै. डॉ. वीरेन्द्र शा

2. मैथिली भाषा शास्त्र - डॉ. वीरेन्द्रनाथ मिश्र

P. T. O. (र. प्र. उ.) →

24/10

24/10

Handwritten signature

मैथिली (प्रतिष्ठा): ¹⁸ तृतीय खण्ड: चतुर्थ पत्र
नारक एवं भाषा विज्ञान

(1) सतत आन्तरिक मूल्यांकन
(Continuous Internal Assessment) : 30 अंक

(2) अर्धसत्रांत लिखित विश्वविद्यालय परीक्षा
(अवधि - 3 घंटा)

(i) एगारह वस्तुनिष्ठ प्रश्न -

$$11 \times 1 = 11 \text{ अंक}$$

(ii) पाँच लघुतरी प्रश्न (चारिक
उत्तर अपेक्षित)

$$05 \times 4 = 20 \text{ अंक}$$

(iii) पाँच दीर्घ उत्तरीयमें तीन
प्रश्नोंपर अपेक्षित -

$$13 \times 3 = 39 \text{ अंक}$$

$$\text{कुल} = 70 \text{ अंक}$$

निर्धारित ग्रंथ -

1. पारिजात हरण - मैथिली अकादमी, पटना
2. भाषा विज्ञान

पाठ्यपुस्तक - भाषाक परिवर्तनशीलता,
मैथिलीक बौद्धिक बौद्धिक, ओडिया, असमिया
आ भोजपुरीक संज्ञा सम्बन्ध, एवमि
निमस ।

P.T.O. (स.प.उ.)



19

मैथिली (पत्रिका) : तृतीय खण्ड : सन्तम पत्र
मैथिली साहित्यक इतिहास

- (1) सतत आन्तरिक मूल्यांकन
 (Continuous Internal Assessment) : 30 अंक
- (2) अर्धसत्रान्त लिखित विश्वविद्यालय परीक्षा
 (अवधि - 3 घंटा)
- (i) सगारह वस्तुनिष्ठ प्रश्न - $11 \times 1 = 11$ अंक
- (ii) पाँच लघुतरी प्रश्न (चारिक
 उत्तर अपेक्षित) - $05 \times 4 = 20$ अंक
- (iii) पाँच दीर्घ उत्तरीयमे तीन
 प्रश्नोत्तर अपेक्षित - $13 \times 3 = 39$ अंक
- कुल - 70 अंक

संदर्भ ग्रंथ

1. A History of Maithili Literature - Dr. Jaykant Mishra
 (Sahitya Akademi), Vol. I & II
2. मैथिली साहित्यक इतिहास - डॉ. दुर्गानंद झा (श्री)
3. मैथिली साहित्यक इतिहास - डॉ. जयकान्त मिश्र
 सा. अ. नई दिल्ली
4. मैथिली पत्रकारिताक इतिहास - चन्द्रनाथ मिश्र (अमर)
5. मैथिली साहित्यक आलोचनात्मक इतिहास -
 डॉ. दिनेश कुमार झा

P.T.O (र. प्र. उ.)

24.10

24.10.15

H. M. Mandal

Palace University, Patna-3
 Department of Maithili

20

मैथिली (प्रतिष्ठा): तृतीय खण्ड: सप्तम पत्र
आधुनिक मैथिली काव्य

(1) सत्र आन्तरिक मूल्यांकन
 (Continuous Internal Assessment) : 30 अंक

(2) अर्धसत्रान्त लिखित विश्वविद्यालय परीक्षा
 (अवधि - 3 घंटा)

(i) एगारह वस्तुनिष्ठ प्रश्न -

11x1 = 11 अंक

(ii) पाँच उच्चतरी प्रश्न व्यापारिक
 उत्तर अपेक्षित

05x4 = 20 अंक

(iii) पाँच दीर्घ उत्तरीयमे तीन
 प्रश्नोत्तर अपेक्षित -

13x3 = 39 अंक

निर्धारित श्रेणियाँ -

कुल - 70 अंक

1. चन्द्र रचनावली - सं. विश्वेश्वर मिश्र
मैथिली अकादमी, पटना
पाठ्यपुस्तक - पद - सूर्य (1-3), गणेश (1-2),
उमा महेश्वर (1-3)

2. पत्रहीन जगन्नाथ - 'यात्री'

मैथिली (प्रतिष्ठा): तृतीय खण्ड: सप्तम पत्र

एह पत्रमे आठक विभाजन प्रतिष्ठा पूर-पत्र-कौट
 रहत ।

निर्धारित श्रेणियाँ -

1. चन्द्र रचनावली - सं. विश्वेश्वर मिश्र
मैथिली अकादमी, पटना

पाठ्यपुस्तक - उगासूत्रि (1-2), मिथिला महिमा
(1-2) एवं जोग (1-2)

2. उतिष्ठी - उषेन्द्र ठाकुर 'मोहन', मैथिली अकादमी

3. सुंदरकौट - शेषर प्रकाशन, पटना ।

P.T.O. (स. प्र. 3)

24.10

24.10

Head of the Department of Mallah
 Patna University, Patna-3

Handwritten signature

Handwritten signature

३१

भैषज्य (प्रतिष्ठा) : तृतीय खण्ड : अपठ्य पत्र

काव्यशास्त्र

एतद् पत्रमे ^{प्रसिद्ध} अकक विभाजन रूप
पत्र-सदृश रहत।

निर्धारित पाठ्यशा-

काव्यक लक्षणा, काव्यक प्रयोजन, काव्यक
हेतु, काव्यक भेद, शब्दवाचि, रस
एवं छन्द।

संदर्भ-ग्रन्थ :

१. भैषज्यी काव्यशास्त्र - डॉ. दिनेश कुमार झा
२. काव्यशास्त्रक रूप रेखा - डॉ. श्रीरामचन्द्र झा
'श्रीरामचन्द्र'
३. रस - परिचय : डॉ. विश्वरत्न झा

X

24.10

24.10.15
H. M. Mandal

Department of Medicine
Patna University, Patna-3

आइ दिनांक 24/10/2015 के परना विश्वविद्यालय, परनाके मैथिली
पाठ्यक्रम समितिक बैठक कार्यक्रम विशेषज्ञक संग भारत
भेल, जाहिमे स्नातक एवं स्नातकोत्तर, मैथिलीक
पाठ्यक्रमके विचार-विमर्शक उपरान्त अनुमोदित
कएल गेल ।

अपेक्षित सदस्य-

1. राजपुत्र 24.10.15

2. डा० अशोक कुमार झा
(अशोक अखिल) 24-10-15

3. डा० हीरा मैडल — H Mauchel

4. डा० वीरेन्द्र झा — 24/10/15


24/10/15
Head of the Department of Maithili
Patna University, Patna-3